Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिंगरौली कोलियरी,
जिला- सिंगरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro@ncl.gov.inwebsite : www.ncl.gov.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

क्रमांक :– एनसीएल/सिंग/प्रे.वि./2016–17/351 दिनांक – 02.11.2016

प्रेस विज्ञप्ति

आईटी के उपयोग में एनसीएल काफी आगे: श्री के पी वेंकटेश्वर राव

भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की कड़ी में बुधवार को कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) श्री के पी वेंकटेश्वर राव ने एनसीएल में पारदर्शिता को बढ़ावा दिए जाने हेतु सूचना प्रोद्योगिकी (आईटी) के हो रहे व्यापक इस्तेमाल पर अपना व्याख्यान दिया। आईटी के उपयोग को प्रिवेंटिव विजिलेंस (निवारक सतर्कता) का एक अहम टूल बताते हुए उन्होंने कहा कि आईटी के उपयोग से कामकाज में लगने वाले समय की भी काफी बचत हो रही है और प्रक्रियाएं तेज हो रही हैं।

कंपनी मुख्यालय स्थित केंद्रीय उत्खनन प्रशिक्षण संस्थान (सीईटीआई) में अपने व्याख्यान में श्री राव ने एनसीएल में किए जा रहे आईटी के व्यापक उपयोग पर तफसील से चर्चा की, जो इस प्रकार है -

ई-प्रोक्योरमेंट

एनसीएल में ई-प्रोक्योरमेंट के जरिये टेंडरिंग प्रक्रिया अक्टूबर 2013 से लागू है तथा फरवरी 2015 से कंपनी की सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में गुड्स, वर्क्स एवं सर्विसेज की रुपये 2 लाख एवं उससे अधिक अनुमानित लागत के टेंडर ई-प्रोक्योरमेंट से पूरे किए जाते हैं। ई-प्रोक्योरमेंट गाइडलाइन को और बेहतर बनाते हुए 22 जनवरी 2016 से 1 करोड़ से अधिक अनुमानित लागत के टेंडरों में रिवर्स ऑक्शन की पद्धति अपनाई जा रही है। साथ ही, ऑनलाइन पेमेंट और ऑटो रिफंड ऑफ ईएमडी की व्यवस्था भी 17 फरवरी 2016 से की गई है। एनसीएल द्वारा अब तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर लगभग 10 हजार करोड़ रूपये से अधिक अनुमानित लागत के टेंडर प्रकाशित किए जा चुके हैं, जिसमें 30 सितंबर 2016 तक लगभग 5 हजार करोड़ रूपये के टेंडर फाइनलाइज किए जा चुके हैं। ई-प्रोक्योरमेंट पद्धित के आने से विजिलेंस केस (खासकर टेंडरिंग प्रक्रिया के पार्ट-1 के संबंध में) में खासी कमी आई है। साथ ही, कंपनी के नियमों के तहत प्रकियाओं एवं रिपोर्ट का विश्लेषण आसान हुआ है व इलेक्ट्रॉनिक पेपर वर्क की वजह से संभावित गलतियों में भी काफी कमी आई है।

कोल नेट

ईआरपी कोल नेट एक इंडीग्रेडेट एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर पैकेज है, जिसके लागू होने से कंपनी के सभी तरह के कार्यों का ऑनलाइन डेटाबेस तैयार होगा। मिसाल के तौर पर, कोयले एवं ओवर बर्डेन (ओबी) की रिपोर्टिंग, कोल डिलिवरी ऑर्डर जारी किए जाने, सामान का लेनदेन, पे रोल बनाने का कार्य, बिलिंग आदि का कार्य कोल नेट के जरिये किए जाने से प्रोसेस आसान होगा और कार्य का निबटारा तेज गति से होगा। एनसीएल में कोल नेट के 3 मॉड्यूल पर्सनल इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीआईएस), फाइनैंस इन्फॉर्मेशन सिस्टम

(एफआईएस) तथा पे रोल मॉड्यूल तथा दूसरे चरण में मटीरियल मैनेजमेंट, मेंटिनेंस, प्रॉडक्शन एंड सेल्स मॉड्यूल को लागू किया गया है।

जीपीएस आधारित वीइकल ट्रैकिंग सिस्टम

एनसीएल से किए जा रहे कोयले के परिवहन में पारदर्शिता बरते जाने हेतु कंपनी में जीपीएस आधारित वीइकल ट्रैकिंग सिस्टम लागू किया गया है। इस सिस्टम के तहत कंपनी में कोयला परिवहन में लगे 1000 से अधिक ट्रकों में जीपीएस/जीपीआरएस-आरएफआईडी डिवाइस लगाए गए हैं तथा 22 वेब्रिज में बूम बैरियर, आरएफआईडी रीडर तथा स्नैपशॉट लिए जाने के लिए कैमरे लगाए गए हैं। इस कार्य पर निगरानी के लिए हर परियोजना में एक कंट्रोल रूम भी बना हुआ है, जहां से कोयला परिवहन में लगे ट्रकों की आवाजाही पर आसानी से नजर रखी जाती है। यदि कोई वाहन अपना रास्ता बदलता है या वाहन से कोयले की निकासी की जाती है या कहीं अनावश्यक रूप से रूकता है और वाहन में लगे जीपीएस की मदद से यह समस्त जानकारी कंट्रोल रूम में आसानी से मिल जाती है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर आसानी से नजर रखा जा सकता है। इस सिस्टम की मदद से कोयला के वजन इसमें लगे वाहनों की पूरी डिटेल्ड इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्ट आसानी से तैयार होती है और इसका इस्तेमाल आवश्यकतानुसार किया जा सकता है।

ऑपरेटर इंडिपेंडेंट ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस)

ओआईटीडीएस जीपीएस आधारित एक सिस्टम है, जिसमें कोयला खदानों में कार्यरत उपकरणों में जीपीएस डिवाइस लगाया जाता है, जिसमें रेडियो नेटवर्क के जरिये वॉइस और डेटा कम्यूनिकेशन की भी सुविधा होती है। इस सिस्टम की मदद से मशीनों की स्थिति (कार्यरत एवं आइडल), रूट डेविएशन, परफॉर्मेंस रिपोर्ट आदि का पूरा रीयल टाइम डेटा तैयार होता है। इससे मशीनों के कपैसिटी यूटिलाइजेशन को और बेहतर किए जाने में मदद मिलती है। साथ ही, इस सिस्टम की मदद से मशीनों से जुड़े क्रिटिकल पैरामीटर की लगातार मॉनिरटरिंग किया जाना संभव है तथा ऑपरेटर्स की परफॉर्मेंस की निगरानी, मशीनों की हेल्थ पता कर उसे और बेहतर किए जाने की दिशा में कदम उठाया जाना संभव है।

सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम

एनसीएल में सिक्योरिटी सिस्टम को और बेहतर करने के मकसद पूरी कंपनी में सभी संवेदनशील स्थानों जैसे एंट्री/एग्जिट पॉइंट, बेब्रिज, स्टोर, कोल स्टॉक यार्ड, सीएचपी, डीजल फिलिंग पॉइंट सहित विभिन्न जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कंपनी मुख्यालय सहित सभी परियोजनाओं एवं यूनिटों में कुल 550 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

Northern Coalfields Limited
(Govt. of India Mini Ratna Company)
Post- Singrauli Colliery
Distt- Singrauli MP PIN-486889

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
(भारत सरकार का एक मिनि रत्न प्रतिष्ठान)
पोस्ट सिगंरौली कोलियरी,
जिला- सिगंरौलीम. प्र., पिन 486889

CIN- U10102MP1985GOI003160
Phone: 07805- 266808 (Off) , 266640 (Fax)email: pro@ncl.gov.inwebsite : www.ncl.gov.in
An ISO: 9001, ISO: 14001 & OHSAS: 18001 Certified Company

3डी टेरेस्ट्रियल लेजर स्कैनर

कोयले एवं ओवरबर्डेन (ओबी) की तेजी से और सही तरीके से की जाने वाली माप के लिए अत्याधुनिक सर्वे उपकरण '3डी टेरेस्ट्रियल लेजर स्कैनर' का इस्तेमाल किया जा रहा है। कंपनी की जयंत परियोजना में इसका इस्तेमाल हो रहा है और अन्य दो और परियोजनाओं में इस उपकरण की खरीद किए जाने की स्वीकृति दी जा चुकी है।

फ्यूल मैनेजमेंट सिस्टम

कोयला खदानों में कार्यरत भारी मशीनों (एचईएमएम) के परिवहन के लिए आवश्यक डीजल की चोरी पर नकेल कसने के लिए एनसीएल का विजिलेंस डिपार्टमेंट काफी सक्रियता से प्रयासरत है और तकनीक की मदद से फ्यूल मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार करने की दिशा में तेजी कार्य कर रहा है, जिसमें जीपीएस, जीपीआरएस और आरएफआईडी तकनीक की मदद से वाहनों में डीजल लेवल की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा सकेगी और डीजल की चोरी पर नकेल कसी जा सकेगी। इस अवधारणा को अमल में लाने के लिए जयंत परियोजना में एक डंपर में ट्रायल टेस्ट किया जा चुका है। इसके पश्चात प्रोयोगिक तौर पर जयंत परियोजना में 10 एचईएमएम पर लागू करके देखा जाएगा और सफल पाए जाने पर इसे एनसीएल की सभी परियोजनाओं में लागू किया जाएगा।

गौरतलब है कि एनसीएल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 5 नवंबर तक मनाया जाएगा। इसकी कड़ी में 4 नवंबर को कंपनी मुख्यालय स्थित ऑफिसर्स क्लब में वेंडर्स मीट का भी आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में वेंडर्स हिस्सा ले सकते हैं।

(सीरज कुमार सिंह)
जनसंपर्क अधिकारी